NEWS CLIPPING: 06.06.2018

DAINIK JAGRAN

भारतीय तेल निगम के महाप्रबंधक डॉ.इंदू शेखर और कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दिया वैकल्पिक उपायों पर जोर

प्लास्टिक को हराने के लिए लड़नी होगी लड़ाई

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वर्ष 2018 के लिए विश्व पर्यावरण दिवस की विषय वस्तु 'प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं' को लेकर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में भारतीय तेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक(आरएंडडी) डॉ. इंदू शेखर शास्त्री मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार और संचालन डॉ. रेनुका गुप्ता ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. शास्त्री ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण ने बीते एक दशक में पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य को काफी हानि पहुंचाई है। विगत दस सालों के दौरान जितनी बड़ी मात्रा में प्लास्टिक उत्पन्न हुआ है, इतना पूरी सदी में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक को हराने के लिए हम सभी को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। साथ ही इसकी शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जीवन शैली में सुधार लाकर करना होगा। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के निपटान के लिए उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि घरों से निकलने वाले प्लास्टिक को अन्य कचरे से पृथक किया जाना चाहिए। ताकि इसका सही निपटान हो सके।

डॉ.शास्त्री ने जानकारी दी कि भारतीय तेल निगम की नगर निगम फरीदाबाद के साथ मिलकर एक संयंत्र स्थापित करने की योजना है। जिसके माध्यम से शहर से निकलने वाले जैव एवं सूखे कचरे का निपटान एवं पुनः उपयोग सुनिश्चित होगा। उन्होंने प्लास्टिक कचरे से सड़क निर्माण जैसी तकनीकों से भी विद्यार्थियों को अवगत करवाया। प्लास्टिक कचरे को पर्यावरण के लिए अभिशाप बताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि प्लास्टिक को हराने के लिए सबसे प्रत्येक व्यक्ति को दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ कार्य करना होगा। सबको प्रत्येक स्तर पर प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम बनाने के लिए वैकल्पिक उपाय करने होंगे। उन्होंने पर्यावरण विज्ञान के विद्यार्थियों को विशेष रूप से स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस मुहिम के माध्यम से विद्यार्थी प्लास्टिक कचरे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक बनाएं। उन्होंने कहा कि हमको मिलकर पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देना होगा।

पर्यावरण विज्ञान विभाग में शोधार्थी मंदीप पुनिया ने पर्यावरण संरक्षण के लिए किये जा रहे उपायों पर कटाक्ष करती हुई कविता सुनाई। इस मौके पर विश्वविद्यालय प्रांगण में मुख्य अतिथि और कुलपति ने पौधरोपण भी किया।

वाइएमसीए परिसर में पौधारोपण करते हुए कुलपति प्रो.दिनेश कुमार व डॉ.इंदू शेखर शास्त्री।

NEWS CLIPPING: 06.06.2018

DAINIK BHASKAR

पर्यावरण दिवस | पर्यावरण संरक्षण व जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए में कार्यक्रम का आयोजन, यूनिवर्सिटी परिसर में पौधरोपण भी किया

दस साल में जितना प्लास्टिक उत्पन्न हुआ, उतना पूरी सदी में नहीं हुआ, पृथ्वी को बचाना है तो सभी को एकजुट होकर प्लास्टिक को हराना होगा : डॉ. दिनेश

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

पर्यावरण संरक्षण व जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वर्ष 2018 के लिए विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं' को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान यूनिवर्सिटी परिसर में पौधरोपण भी किया गया। इस दौरान संदेश दिया गया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलकर प्लास्टिक को हराना होगा।

कार्यक्रम में भारतीय तेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक (आरएंडडी) डॉ. इंदु शेखर शास्त्री मुख्य वक्ता थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। डॉ.

शास्त्री ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण ने एक दशक में पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य को भी काफी हानि पहुंचाई है। दस साल के दौरान जिस मात्रा में प्लास्टिक उत्पन्न हुआ, इतना पूरी सदी में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक को हराने के लिए सभी को एकजुट प्रयास करना होगा। इसकी शुरुआत हर व्यक्ति को अपनी जीवन शैली में सुधार लाकर करना होगा। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान के लिए सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि घर से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे को अन्य कचरे से पृथक किया जाना चाहिए। जिससे इसका सही निपटान हो सके। डॉ. शास्त्री ने जानकारी दी कि भारतीय तेल निगम की नगर निगम फरीदाबाद के साथ मिलकर एक संयंत्र स्थापित करने की योजना है। इसके माध्यम से शहर से निकलने वाले जैव व सूखे कचरे का निपटान एवं पुनः उपयोग सुनिश्चित होगा। उन्होंने प्लास्टिक कचरे से सड़क निर्माण जैसी तकनीक से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि प्लास्टिक को हराने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कार्य करना होगा। सभी को प्रत्येक स्तर पर प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम बनाने के लिए वैकल्पिक उपाय करने होंगे। उन्होंने पर्यावरण विज्ञान के विद्यार्थियों को विशेष रूप से स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस मुहिम के माध्यम से विद्यार्थी प्लास्टिक कचरे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक बनाएं। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन का रूप देना होगा। तभी हम प्लास्टिक को हराने में सफल हो सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण विज्ञान विभाग में शोधार्थी मंदीप पुनिया ने पर्यावरण संरक्षण के लिए हो रहे उपाय पर कटाक्ष करती हुई कविता सुनाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेनुका गुप्ता ने किया।

NEWS CLIPPING: 06.06.2018

NAVBHARAT TIMES

'मिलकर प्लास्टिक को हराना होगा'

पर्यावरण दिवस पर वाईएमसीए समेत शहर में अलग-अलग जगहों पर हुए कार्यक्रम

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में शहर के अलग-अलग स्थानों पर पौधारोपण किया गया। पौधारोपण करने के बाद उसकी देखभाल करने के लिए सभी प्रकार के इंतजाम भी किए गए। मथुरा रोड स्थित वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय तेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक आरएंडडी डॉ इंदु शेखर शास्त्री मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने व संचालन डॉ रेणुका गुप्ता ने किया। डॉ इंदु शेखर शास्त्री ने कहा कि प्लॉस्टिक प्रदूषण ने बीते एक दशक में पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य को काफी हानि पहुंचाई है। उन्होंने प्लॉस्टिक कचरे के उचित निपटान के लिए उपयोगी सुझाव दिए। इस दौरान पर्यावरण विज्ञान विभाग में शोधार्थी मंदीप पुनिया ने पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे उपायों पर कविता सुनाई।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय परिसर में किया गया पौधारोपण

NEWS CLIPPING: 06.06.2018

PUNJAB KESARI (DELHI)

प्लास्टिक कचरा पर्यावरण के लिए अभिशाप

फरीदाबाद, राकेश देव (ब्यूरो चीफ, पंजाब केसरी)। पर्यावरण संरक्षण तथा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वर्ष 2018 के लिए विश्व पर्यावरण दिवस की विषय वस्तु प्लास्टिक प्रदूषण को हराये को लेकर चर्चा की गई तथा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया।

कार्यक्रम में भारतीय तेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक आरएंडडी डॉ इंदू शेखर शास्त्री मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ रेनूका गुप्ता ने किया। कार्यक्रम को संबोधितक करते हुए डॉ शास्त्री ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण ने बीते एक दशक में पर्यावरण के साथ.साथ मानव स्वास्थ्य को काफी हानि पहुंचाई है। विगत दस वर्षों के दौरान जिस मात्रा में प्लास्टिक उत्पन्न हुआ हैए इतना पूरी सदी में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक को हराने के लिए सभी को एकजुट प्रयास करने है और इसकी शुरूआत प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जीवन शैली में सुधार लाकर करना होगा। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान के लिए उपयोगी सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि घरों से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे को अन्य कचरे से पृथक किया जाना चाहिए ताकि इसका सही निपटान हो सके। प्लास्टिक कचरे को पर्यावरण के लिए अभिशाप बताते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि प्लास्टिक को हराने के लिए सबसे प्रत्येक व्यक्ति को दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ कार्य करना होगा। सभी को प्रत्येक स्तर पर प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम बनाने के लिए वैकल्पिक उपाये करने होंगे।

-कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण विज्ञान विभाग में शोधार्थी मंदीप पुनिया ने पर्यावरण संरक्षण के लिए किये जा रहे उपायों पर कटाक्ष करती हुई कविता सुनाईए जिसे सभी ने खूब सराहा। इस दौरान प्लास्टिक कचरे पर एक वृतचित्र भी प्रदर्शित किया गया।

विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार व डॉ इंदू शेखर शास्त्री। (छाया:राकेश देव)

NEWS CLIPPING: 06.06.2018

PUNJAB KESARI

जलवायु परिवर्तन व सतत ढांचागत विकास पर पाठ्यक्रम प्रारंभ

फरीदाबाद, 5 जून (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयए फ रीदाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर साप्ताहिक अल्पावधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) प्रारंभ हो गया, जिसमें फरीदाबाद तथा एनसीआर क्षेत्र से विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय

पाठयक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो दिनेश कुमार तथा अध्यक्ष मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो राज कुमार ने की। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने जलवायु परिवर्तन को एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए सतत तकनीकी उपायों को बढ़ावा देना होगा। फरीदाबाद के संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि फरीदाबाद शहर को विश्व के दूसरे सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल किया गया है, जिस पर शिक्षाविदों तथा तकनीकीविदों को गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है कि किसी प्रकार सतत विकास को पर्यावरण मैत्री बनाया जाये और बढ़ते प्रदूषण पर रोकथाम लगाई जाए।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 06 June 2018
epaper.punjabkesari.in/c/29283407

NEWS CLIPPING: 06.06.2018

AMAR UJALA

प्लास्टिक को हराना होगा: डॉ. इंदू शेखर

फरीदाबाद। पर्यावरण संरक्षण तथा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वर्ष 2018 के लिए विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण को हराए' को लेकर चर्चा की गई तथा विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के महाप्रबंधक (आरएंडडी) डॉ. इंदू शेखर शास्त्री मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेनूका गुप्ता ने किया इस मौके पर डॉ. शास्त्री ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण ने बीते एक दशक में पर्यावरण के साथ मानव स्वास्थ्य को काफी हानि पहुंचाई है।।

NEWS CLIPPING: 06.06.2018

HINDUSTAN

एक दशक से प्लास्टिक के कारण प्रदूषण में वृद्धि

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

कार्यक्रम

- वाईएमसीए विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस मनाया गया
- मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कीओर से मंगलवार को पर्यावरण दिवस का मानाया गया। इस दौरान प्लास्टिक को हटाने पर चर्चा की गई। विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया।

इस मौके पर भारतीय तेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक (आरएंडडी) डॉ. इंदू शेखर शास्त्री मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद थे। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। जबकि इसका संचालन डॉ. रेनूका गुप्ता ने की। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक से प्लास्टिक के कारण प्रदूषण में वृद्धि हुई है। यह स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। प्लास्टिक को हटाने के लिए सभी को एक साथ मिलकर प्रयास करना चाहिए। इसकी शुरुआत व्यक्तिगत हो। वहीं, घर से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे को दूसरे करने से अगल रखना चाहिए, जिससे उसका सहीं तरीके से निपटारा हो सके।